IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 1, February 2023
Impact Factor: 7.301

अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षक महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ. मीना शर्मा[1] एवं रीनू पाल[2]

प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, एस. एस. पी. जी. कॉलेज, शाहजहाँपुर, बरेली[1]

शोध छात्रा, शिक्षाशास्त्र, एस. एस. पी. जी. कॉलेज, शाहजहाँपुर, बरेली[2]

सार–यह शोध पत्र शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति के आंकड़ों पर आधारित है। व्यक्ति की सामाजिक जीवन की प्रत्येक क्रिया का निर्धारण उसकी अभिवृत्तियों के माध्यम से होता है। अभिवृत्तियों के माध्यम से होता है। अभिवृत्तियों के विकास पर आयु एवं अनुभवों का प्रभाव विशेष रूप से पड़ता है। यदि हम शिक्षण अभिवृत्ति की बात करें तो शिक्षण अभिवृत्ति को शिक्षण व्यवसाय के प्रति धनात्मक अथवा ऋणात्मक दृष्टिकोणों से लिया गया है। जिनके आधार पर कोई व्यक्ति शिक्षण को व्यवसााय के रूप में चुनता है। शिक्षण अभिवृत्ति वह मानसिक तत्परता है। जिसके द्वारा कोई शिक्षक शिक्षण कार्य को सम्पन्न करता है शिक्षक प्रशिक्षक चाहे अनुदानित महाविद्यालयों में कार्यरत हो उनके अन्दर उचित शिक्षा अभिवृत्ति का होना अनिवार्य है। क्योंकि वह अपने द्वारा दिये जा रहे प्रशिक्षण के माध्यम से भावी शिक्षकों को प्रशिक्षित करते हैं।

कीवर्ड–शिक्षा, शिक्षण, प्रशिक्षक, शिक्षण अभिवृत्ति

प्रस्तावना–

शिक्षक व शिक्षा वह सशक्त माध्यम है जो समाज में व्याप्त कुरीतियों, संकीर्ण विचारधाराओं एवं अन्धविश्वासों को समाप्त कर समाज में नवचेतना का संचार कर विकास के मानवीय मूल्यों को स्थापित कर सकते है। शिक्षा के द्वारा मनुष्य अपने दृष्टिकोणों, आचार–विचार आदि में परिवर्तन तथा परिमार्जन करते हुये जीवन में सफलता प्राप्त करता है। शिक्षा मनुष्य के जीवन में पूर्णता एवं सफलता प्राप्त करने की एक महत्वपूर्ण कुंजी है। जिसके द्वारा मनुष्य के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, सांवेगिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक, राजनैतिक, आर्थिक आदि सभी पक्षों का विकास होता है और इस प्रकार के बहुमुखी विकास के लिये समाज को आदर्श एवं प्रशिक्षित शिक्षकों की आवश्यकता पड़ती है। समाज को आदर्श एवं प्रशिक्षित शिक्षक तभी प्राप्त होंगे जब उनके अन्दर शिक्षण की अभिवृत्ति होगी। एक शिक्षक शिक्षण के प्रति कैसा दृष्टिकोण रखता है और शिक्षण को कैसे सम्पादित करता है। इसके पीछे उसकी अभिवृत्ति मुख्य रूप से कार्य करती है।

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 1, February 2023
Impact Factor: 7.301

अतः हम कह सकते है कि एक शिक्षक के अन्दर उचित शिक्षण अभिवृत्ति का होना अति अनिवार्य है। क्योंकि उचित शिक्षण अभिवृत्ति इस बात का निर्धारण करती है कि वह अपने शिक्षण कार्य को किस प्रकार से संचालित करेंगे।

अध्ययन की आवष्यकता–

शोध कार्य आरम्भ करने से पूर्व शोधकत्री द्वारा विभिन्न सम्बन्धित साहित्य का पुनरावलोकन किया गया है। सामान्य रूप से शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति तथा व्यावसायिक अभिवृत्ति के बारे में भी अध्ययन किया गया।

प्रस्तुत अध्ययन वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। वर्तमान समय में कुशल अध्यापकों का अभाव होता जा रहा है। जो एक बड़ी समस्या है बड़ी संख्या में प्रशिक्षण संस्थायें छात्रों को प्रशिक्षित करने का कार्य कर रही है किन्तु इसके बावजूद कुशल अध्यापकों का निर्माण नहीं हो पा रहा है। यह बात दिमाग में एक प्रश्नचिन्ह उत्पन्न करती है। प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा एक समान है किन्तु इसके बावजूद सभी प्रशिक्षु कुशल अध्यापक नहीं बन पाते। अनुदानित शिक्षण संस्थाओं में शिक्षक एक कठिन प्रक्रिया के द्वारा चयनित किये जाते है किन्तु गैर अनुदानित शिक्षण संस्थाओं में बड़ी संख्या में ऐसे शिक्षित बेरोजगार जिनको अपनी अभिरूचि के क्षेत्र में व्यवसाय नहीं मिला, बिना उचित शिक्षण अभिवृत्ति के केवल धनार्जन के लिये कार्य कर रहे है। यह बात भी प्रशिक्षण की कम होती प्रभावशीलता पर एक प्रश्न चिन्ह उठाती है।

समस्या कथन–

''अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षक महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन।''

अध्ययन के उद्देष्य–

1. अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत 5 वर्ष से कम अनुभव रखने वाले शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।
3. अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक महाविद्यालयों में कार्यरत 5 वर्ष से अधिक अनुभव रखने वाले शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 1, February 2023
Impact Factor: 7.301

अध्ययन की परिकल्पना–

1. अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
2. अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत 5 वर्ष से कम अनुभव रखने वाले शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
3. अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक महाविद्यालयों में कार्यरत 5 वर्ष से अधिक अनुभव रखने वाले शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन–

पांण्डा (2001)–ने अध्यापकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन किया, अध्ययन हेतु उड़ीसा तथा असम राज्यों के महाविद्यालयों में कार्यरत 400 अध्यापकों को लिया गया। निष्कर्ष स्वरूप यह पाया गया कि अधिकांश अध्यापकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति सकारात्मक थी।

पाण्डेय एवं पंखुरी (1999)–उच्च अनुभवी शिक्षकों और निम्न अनुभवी शिक्षकों की शैक्षिक अभिवृत्ति के तुलनात्मक अध्ययन से यह निष्कर्ष प्राप्त किया कि उच्च अनुभवी शिक्षकों की अभिवृत्ति निम्न अनुभवी शिक्षकों की अपेक्षा धनात्मक थी।

अहूलवालिया (1972)–ने शिक्षक प्रशिक्षार्थियों की व्यवसायिक अभिवृत्ति मापने के लिये शिक्षण अभिवृत्ति मापनी का विकास किया इस मापनी का मुख्य उद्देश्य शिक्षक प्रशिक्षण के पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की व्यवसायिक अभिवृत्ति का मापन करना था। अध्ययन से यह निष्कर्ष प्राप्त हुए कि शिक्षक अभिवृत्ति मापनी प्रशिक्षकों की अभिवृत्ति मापन हेतु विश्वसनीय व वैध साबित हुयी।

सिंह, एल0एल0 (2008) ने अध्यापकों की शैक्षिक अभिवृत्ति के संदर्भ में एक अध्ययन किया। और निष्कर्ष में पाया कि शिक्षण व्यवसाय के प्रति अध्यापकों की शिक्षण अभिवृत्ति धनात्मक थी। आयु के आधार पर अध्यापकों की शिक्षण अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं था।

श्रीवास्तव, पंकज कुमार (2012)–ने स्ववित्तपोषित एवं वित्तपोषित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की शिक्षण मनोवृत्ति तथा कार्य का तुलनात्मक अध्ययन किया एवं निष्कर्ष में यह प्राप्त किया कि स्ववित्तपोषित एवं वित्तपोषित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षण मनोवृत्ति में 0.01 स्तर पर सार्थक अन्तर पाया गया।

मलिक रानी (2013)–ने माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापकों के मध्य व्यवसायिक प्रतिबद्धता और शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के बीच सम्बन्ध का अध्ययन किया और अध्ययन के परिणामों में यह पाया कि ग्रामीण और

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 1, February 2023
Impact Factor: 7.301

शहरी अध्यापकों, सरकारी और निजी अध्यापकों में व्यवसायिक प्रबिद्धता और शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के बीच सकारात्मक और महत्वपूर्ण सम्बन्ध पाये गये।

शोध अभिकल्प–

शोध विधि–

शोध की प्रकृति के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुये वर्णनात्मक शोध प्रविधि की सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

जनसंख्या–

कानपुर विश्वविद्यालय से सम्बन्धित महाविद्यालयों का चयन जनसंख्या के रूप में किया गया।

न्यादर्ष–

कानपुर विश्वविद्यालय से सम्बन्धित महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षक प्रशिक्षकों का चयन न्यादर्श के रूप में किया गया है और अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षक महाविद्यालयों से न्यादर्श के रूप में 80 शिक्षक प्रशिक्षकों का चयन किया गया है तथा गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षक महाविद्यालयों से न्यादर्श के रूप में 320 शिक्षक प्रशिक्षकों का चयन किया गया ।

अध्ययन में प्रयुक्त शोध उपकरण–

प्रस्तुत शोध कार्य में शिक्षण अभिवृत्ति के लिये प्रो0 एस0पी0 आहुलवालिया की शिक्षण अभिवृत्ति मापनी को शोध उपकरण का प्रयोग किया गया है।

सांख्यिकीय विधियाँ–

प्रस्तुत शोध कार्य में प्रशिक्षको की शिक्षण अभिवृत्ति के अध्ययन के लिये मध्यमान, मानक विचलन व क्रांतिक अनुपात आदि का उपयोग किया गया हैं

आँकड़ों का सांख्यिकीय विष्लेशण–

प्रस्तुत शोध में परिकल्पना का परीक्षण सांख्यिकीय विश्लेषण के आधार पर किया गया है जो इस प्रकार है–

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 1, February 2023
Impact Factor: 7.301

परिकल्पना–1 अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नही है।

तालिका–1अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति के मध्यमान, मानक विचलन तथा क्रान्तिक अनुपात का मान–

क्र.सं.	शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय	न्यादर्श की संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात	सार्थकता स्तर	मुक्तांश
1.	अनुदानित	80	199.70	43.13	0.439	असार्थक	398
2.	गैर अनुदानित	320	197.49	40.70			

तालिका क्रमांक–1 से स्पष्ट है कि शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षकों (N=80) एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षकों (N=320) की शिक्षण अभिवृत्ति के प्राप्तांकों का सांख्यिकीय गणना से प्राप्त मध्यमान क्रमशः 199.70 व 197.49 एवं मानक विचलन क्रमशः 43.13 व 40.70 है तथा दोनों समूहों के मध्यमानों के अन्तर की सार्थकता के लिये परिगणित क्रान्तिक अनुपात का मान 0.439 प्राप्त हुआ, जो मुक्तांश 398 पर सार्थकता स्तर 0.05 के तालिका मान 1.97 से कम है। अतः 0.05 स्तर पर शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है। इसे आधार पर अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत् शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

परिकल्पना–2 अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत 5 वर्ष से कम अनुभव रखने वाले शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका–2अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत 5 वर्ष से कम अनुभव रखने वाले शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति के मध्यमान, मानक विचलन तथा क्रान्तिक अनुपात का मान–

क्र.सं.	शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय	न्यादर्श की संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात	सार्थकता स्तर	मुक्तांश
1.	अनुदानित	36	204.66	46.66	0.639	असार्थक	181
2.	गैर अनुदानित	147	199.27	45.36			

तालिका क्रमांक–2 से स्पष्ट है कि शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षकों (N=36) एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षकों (N=147) की शिक्षण अभिवृत्ति के प्राप्तांकों का सांख्यिकीय गणना से प्राप्त मध्यमान क्रमशः 204.66 व 199.27 एवं मानक विचलन क्रमशः 46.66 व 45.36 है तथा दोनों समूहों के मध्यमानों के अन्तर की सार्थकता के लिये परिगणित क्रान्तिक अनुपात का मान 0.639 प्राप्त हुआ, जो

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 1, February 2023
Impact Factor: 7.301

मुक्तांश 181 पर सार्थकता स्तर 0.05 के तालिका मान 1.97 से कम है। अतः 0.05 स्तर पर शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है। इसे आधार पर अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत् 5 वर्ष से कम अनुभव रखने वाले शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।

तालिका–3अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत 5 वर्ष से अधिक अनुभव रखने वाले शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति के मध्यमान, मानक विचलन तथा क्रान्तिक अनुपात का मान–

क्र.सं.	शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय	न्यादर्श की संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात	सार्थकता स्तर	मुक्तांश
1.	अनुदानित	44	199.27	43.40	0.526	असार्थक	215
2.	गैर अनुदानित	173	195.75	39.69			

तालिका क्रमांक–3 से स्पष्ट है कि शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षकों (N=44) एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षकों (N=173) की शिक्षण अभिवृत्ति के प्राप्तांकों का सांख्यिकीय गणना से प्राप्त मध्यमान क्रमशः 199.27 व 195.75 एवं मानक विचलन क्रमशः 43.40 व 39.69 है तथा दोनों समूहों के मध्यमानों के अन्तर की सार्थकता के लिये परिगणित क्रान्तिक अनुपात का मान 0.526 प्राप्त हुआ, जो मुक्तांश 215 पर सार्थकता स्तर 0.05 के तालिका मान 1.97 से कम है। अतः 0.05 स्तर पर शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है। इसके आधार पर अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत् 5 वर्ष से अधिक अनुभव रखने वाले शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

परिणाम एवं निश्कर्श

1. अनुदानित एवं गेर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
2. अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत 5 वर्ष से कम अनुभव रखने वाले शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
3. अनुदानित एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत 5 वर्ष से अधिक अनुभव रखने वाले शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

शैक्षिक निहितार्थ–

वर्तमान समय में शिक्षकों में उचित शैक्षिक अभिवृत्ति की उपस्थिति या अनुपस्थिति व्यक्ति के व्यक्तित्व के विकास को प्रभावित करती हे और एक व्यक्ति किसी कार्य के प्रति कैसा दृष्टिकोण रखता है और कार्य को

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 1, February 2023
Impact Factor: 7.301

कैसे सम्पादित करता है इसके पीछे उसकी अभिवृत्ति मुख्य रूप से कार्य करती है। अतः हम कह सकते है कि एक शिक्षक के अन्दर उचित शिक्षण अभिवृत्ति का होना अति अनिवार्य है क्योंकि यह उचित शिक्षण अभिवृत्ति ही इस बात का निर्धारण करती है कि वह अपने शिक्षण कार्य को किस प्रकार संचालित करेगा।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची–

पुस्तकें–

[1]. गुप्ता, एस0पी0 (2007). सांख्यिकीय विधियाँ, इलाहाबाद : शारदा पुस्तक भवन।

[2]. राय, पारसनाथ (2009). अनुसंधान परिचय, आगरा : नवरंग आपसेट प्रिटर्स।

[3]. शर्मा, आर0ए0 (2009). अध्यापक शिक्षा, मेरठ : इण्टरनेशनल पब्लिशिंग हाउस।

[4]. माथुर, एस0एस0 (2010). शिक्षा मनोविज्ञान, आगरा : अग्रवाल पब्लिकेशन।

[5]. सारस्वत, मालती (2002), भारतीय शिक्षा का विकास, लखनऊ : आलोक प्रकाशन।

[6]. गुप्ता, एस0पी0 (2010). उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान, इलाहाबाद : शारदा पुस्तक भवन।

[7]. पाण्डेय, के0पी0 (2010). फंडामेन्टल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, वाराणसी : विश्वविद्यालय प्रकाशन।

[8]. टण्डन, उमा (2011). उदीयमान भरतीय समाज के शिक्षक, इलाहाबाद : आलोक प्रकाशन।

[9]. पचौरी, गिरीस (2008). उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षक, मेरठ : इण्टरनेशनल पब्लिशिंग हाउस।

[10]. अहुलवालिया एस0पी0 (1972). शिक्षण अभिवृत्ति मापनी का विकास तथा शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की अभिवृत्ति का अध्ययन। NCERT, ERIC आगरा, नेशनल साइकोलॉजिकल कोपरेशन, (उ0प्र0) इण्डिया।

[11]. पाण्डेय एवं मैखुरवी (1999). अ स्टडी ऑफ द एटीट्यूड ऑफ इफेक्टिव एण्ड अनइफेक्टिव टीचर्स टूवर्ड्स टीचिंग प्रोफेशनल, इण्डियन जनरल ऑफ साइकोमैट्री एण्ड एजुकेशन 30 (1) पृ0सं0 43–46।

[12]. पन्त, बी0बी0 (2001) एटीट्यूड टूवर्डस टीचिंग प्रोफेशनल एण्ड जॉब सटिशफेक्शन ऑफ कॉलेज टीचर्स ऑफ असम एण्ड उड़ीसा : ए कम्परेटिव स्टडी, इण्डिया एजुकेशनल अबस्ट्रक्ट्स, वाल्यूम, 2(2) जुलाई 2002, पृष्ठ 93–64

[13]. सिंह, एस0एस0 (2008)–''अध्यापकों की शैक्षिक अभिवृत्ति के संदर्भ में एक अध्ययन''।

[14]. श्रीवास्तव, पंकज कुमार (2012). स्ववित्तपोषित एवं वित्तपोषित शिक्षक प्रशिक्षक महाविद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षण मनोवृत्ति तथा कारणों का तुलनात्मक अध्ययन। Retrivedfrom-htt:p//hdl.hantle.net/10603/225847